Rajasthan Current Affairs August 2021

Important News: Places

बीकानेर हनुमानगढ़ में 2400 मिलीयन पोटाश के भंडार मिले

पोटाश:

- पोटाश का मुख्य अयस्क सिल्वानाइट है।
- राजस्थान में देश के कुल पोटाश भण्डार का सर्वाधिक (91%) है।
- राजस्थान के नागौर-गंगानगर बेसिन में हाल ही में 240 करोड़ टन पोटाश के भंडार मिले हैं जो 30,000 वर्ग किमी. में फैले हैं।
- जो विश्व में घोषित पोटाश के भंडार के पाँच गुना हो सकते हैं।
- यह भंडार नागौर, गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर के जिलों में है।

राजस्थान की बांसवाड़ा व राजसमंद जिले में मैग्नीज के 24 वर्ग किलोमीटर लंबी विशाल बेल्ट खोजी गई

मैंगनीज

- मैंगनीज लौह धात्विक खनिज है जो धारवाड़ क्रम की चट्टान/अरावती पर्वतीय प्रदेश में पाया जाता है।
- मैंगनीज का मुख्य अयस्क – पाइरोलुसाइट है जो कि राजस्थान में मुख्यत: बाँसवाड़ा में पाया जाता है।
- मैंगनीज को 'Jack of All Trades' कहा जाता है क्योंकि यह भारत में औद्योगिक इकाइयों की आधारशिला है।
- इस्पात निर्माण, रासायनिक उधोग तथा सूखे सेल में मैंगनीज प्रयुक्त होता है।
- मैंगनीज के उत्पादन तथा भण्डारण के दृष्टि से राजस्थान का देश में 8 वाँ स्थान है।
- **राजस्थान में मैंगनीज प्राप्ति के प्रमुख स्थान** – बाँसवाड़ा- लीलवाना, तलवाड़ा नरड़िया
- राजसमन्द – नगेड़िया
- उदयपुर - छोटीसार, बड़ी सार

Important News: Polity

मुख्यमंत्री ने राजस्थान को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग रखी

क्या है विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा?

- किसी राज्य को विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा देने के लिये कुछ मापदंड तय किये गए थे, जिनसे उनके पिछड़ेपन का सटीक मूल्यांकन कर उसके अनुरूप दर्जा प्रदान किया जाता था।

क्या लाभ होता है?

- इन मापदंडों को पूरा करने वाले राज्यों को केंद्रीय सहयोग के तहत प्रदान की गई राशि में 90 प्रतिशत अनुदान और 10 प्रतिशत ऋण होता है।
- अन्य राज्यों को केंद्रीय सहयोग के तहत 70 प्रतिशत राशि ऋण के रूप में और 30 प्रतिशत राशि अनुदान के रूप में दी जाती है।
- विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा देने के बाद केंद्र सरकार ने इन राज्यों को विशेष पैकेज सुविधा और टैक्स में कई तरह की राहत दी है।
- इससे निजी क्षेत्र इन इलाकों में निवेश करने के लिये प्रोत्साहित होते हैं जिससे क्षेत्र के लोगों को रोज़गार मिलता है और उनका विकास सुनिश्चित होता है।संविधान के 12वें भाग के पहले अध्याय में केंद्र-राज्यों के वित्तीय संबंधों का उल्लेख है।

Gradeup Rajasthan State Exams Green Card Subscription
(RAS, Rajasthan Police Constable, Rajasthan Patwari)
Get Unlimited Access to 25+ Mock Tests

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य -

- फिलहाल देश के 11 राज्यों को विशेष दर्जा मिला हुआ है
- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड।
- जम्मू-कश्मीर, असम और नगालैंड को 1969 में, हिमाचल प्रदेश को 1971 में, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा को 1972 में, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और मिज़ोरम को 1975 में तथा उत्तराखंड को 2001 में विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा मिला।
- अब तक देश में जिन राज्यों को विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा मिला है, उसके पीछे मुख्य आधार उनकी दुर्गम भौगोलिक स्थिति एवं वहाँ व्याप्त सामाजिक-आर्थिक विषमताएँ हैं।

Important News: Person in News

डॉक्टर सतीश कुमार गर्ग को राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर का कुलपति नियुक्त किया गया

- राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर
- स्थापना -13 मई, 2010
- (राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम 2010 की धारा 1 की धारा (3) के तहत)
- उद्देश्य- प्रशिक्षित मानव संसाधन, उपयुक्त प्रौद्योगिकी उत्पन्न करना और किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से नए तकनीकी ज्ञान को हितधारकों को हस्तांतरित करना था।
- केन्द्रीय भेड़ अनुसंधान का केन्द्र अविकानगर (टोंक) में स्थित है।
- भेड़ और ऊन प्रशिक्षण संस्थान जयपुर में स्थित है।
- भैंस अनुसंधान केन्द्र वल्लभनगर (उदयपुर) में स्थित है।
- केन्द्रिय बकरी अनुसंधान केन्द्र अविकानगर (टोंक) में स्थित है।

प्रोफेसर इन्दिरा व्यास को लाइफ टाइम मरु रत्न पुरस्कार

- पर्यावरण संरक्षण संस्थान(डेको) एवं महिला पीजी महाविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में लाइफ टाइम मरु रत्न 2021 पुरस्कार उदयपुर की प्रोफेसर इन्दिरा व्यास को प्रदान किया जाएगा।
- डेको के अध्यक्ष डॉक्टर एस एल हर्ष
- लिये मीरा गर्ल्स पी जी कॉलेज की सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती इन्दिरा व्यास के 50 वर्ष से पर्यावरण के क्षेत्र में उलेखनीय कार्य के लिए दिया जाएगा।

Economy

राजस्थान रेवेन्यू बोर्ड के नए अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने पदभार संभाला |

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश्वर सिंह को राजस्व मंडल अजमेर का अध्यक्ष बनाया गया है। राजस्व मंडल के अध्यक्ष के पद पर कार्य कर रहे डॉ आर वेंकटेश्वरन को हरीशचंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान का महानिदेशक और पदेन अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशिक्षण के पद पर तैनात किया गया है

Gradeup Rajasthan State Exams Green Card Subscription
(RAS, Rajasthan Police Constable, Rajasthan Patwari)
Get Unlimited Access to 25+ Mock Tests

Ecology

विश्व आदिवासी दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह मुख्यमंत्री द्वारा 228 विकास कार्यों का लोकार्पण

- मुख्यमंत्री गहलोत ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंन्स के जरिए विश्व आदिवासी दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करा
- इस अवसर पर 166.90 करोड़ रूपए के 43 कार्यो का लोकार्पण तथा 89.28 करोड़ रूपए के 185 कार्यों का शिलान्यास किया ।
- उन्होंने जनजाति भागीदारी योजना, सामुदायिक वनाधिकार विकास योजना तथा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वनाधिकार पत्र देने के लिए तीन माह तक चलने वाले वनाधिकार अभियान का शुभारम्भ किया।

वनाधिकार अभियान 2021

- 9 अगस्त से 9 नवंबर 2021
- जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा संचालित
- उद्देश्य - आदिवासी समुदाय के प्राचीन संस्कृति का पोषण तथा उनका चहुमुखी विकास
- जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग राज्यमंत्री- अर्जुन सिंह बामणिया
- सचिव - शिखर अग्रवाल

<u>घना पक्षी उद्यान में पानी की आवक से रौनक बढ़ी</u> –

केवलादेव घना पक्षी विहार राष्ट्रीय उद्यान:-

- राज्य का दूसरा राष्ट्रीय उद्यान है
- यह भरतपुर जिले में गंभीरी में बाणगंगा नदियों के संगम पर स्थित है
- 1956 में इसे अभ्यारण का दर्जा प्राप्त हुआ
- 1981 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया
- केवलादेव घना पक्षी विहार को रामसर साइट का दर्जा वर्ष 1983 में दिया गया।
- यूनेस्को द्वारा वर्ष 1985 में इसे विश्व प्राकृतिक धरोहर की सूची में शामिल किया गया
- इस उद्यान में पानी अजान बांध से प्राप्त होता है
- यह राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा अभयारण्य है।
- इस राष्ट्रीय उद्यान का नामकरण केवलादेव शिव मंदिर के नाम पर किया गया।
- यहाँ कदम और अकेसिया की पेड़ों के घने जंगल पक्षियों को आकर्षित करते हैं और यहाँ पाइथन (अजगर) प्वाइंट स्थित है।

Important Days

बुनकर सेवा केंद्र जयपुर की ओर से सातवें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 7 अगस्त को बनाया जाएगा

- 7 अगस्त को देश में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है,
- इसी दिन 1905 में स्वदेशी आंदोलन शुरू हुआ था
- इसी दिन कोलकाता के टाउनहॉल में एक महा जनसभा में स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक रूप से शुरुआत की गई थी।
- भारत सरकार इसी की याद में हर वर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाता है
- 7 अगस्त 2015 को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने चेन्नई में कॉलेज ऑफ मद्रास के शताब्दी कॉरिडोर पर राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का उद्घाटन किया था, जिसके बाद से यह प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

Gradeup Rajasthan State Exams Green Card Subscription
(RAS, Rajasthan Police Constable, Rajasthan Patwari)
Get Unlimited Access to 25+ Mock Tests

- 7 अगस्त 2021 को 7वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जा रहा।
- लक्ष्य- भारत के सामाजिक आर्थिक सुधार में हथकरघा के योगदान को स्पष्ट करना है।

विश्व बायोफ्यूल दिवस 10 अगस्त को मनाया गया

- **टैगलाइन - स्वच्छ एवं हरित ईंधन द्वारा बेहतर धरती का सर्जन**

राजस्थान बायोफ्यूल प्राधिकरण

- मिशन 4 सितंबर 2005 अध्यक्ष मुख्यमंत्री 2006 में प्रथम राज्य जो बायोफ्यूल नीति लेकर आया 2007 में राज्य सरकार द्वारा बायोफ्यूल की संभावना को देखते हुए नीति की घोषणा की गई
- 10 अगस्त 2019 को बायोफ्यूल के लिए विकास के लिए नियम बनाए गए
- 12 राज्यों में रतनजोत तथा पूर्व की 8 राज्यों में करंज पौधों के रोपण के लिए कार्यक्रम चलाया गया

राजस्थान में बायोफ्यूल प्राधिकरण की उपलब्धियां

- राज्य के 12 बायोफ्यूल जिलों में मनरेगा के अंतर्गत अभिसरण द्वारा रतनजोत करंट लगभग तीन करोड़ 20 लाख पौधों का रोपण कार्यक्रम किया गया
- 8050 जिलों एवं ब्लाक में पौधारोपण तकनीक का परीक्षण दिया गया
- राजीविका द्वारा महिला स्व सहायता समूह की आमदनी की बढ़ोतरी हेतु रतनजोत पौधारोपण एवं बीज एकत्रीकरण के लिए परीक्षण दिया गया
- राज्य में प्रतिदिन 400000 लीटर से अधिक बायोफ्यूल का उत्पादन
- मोबाइल रिटेल आउटलेट द्वारा उपभोक्ताओं को डीजल उपलब्ध करवाने वाला देश का प्रथम राज्य

13 अगस्त को मारवाड़ में दुर्गादास राठौड़ का जन्म दिवस मनाया गया

- दुर्गादास राठौड़ एक वीर क्षत्रिय योद्धा थे
- दुर्गा दास राठौड़ जन्म 13 अगस्त 1638
- वीर दुर्गादास जसवन्त सिंह के मंत्री आसकरण का पुत्र था
- जिन्होने मुगल शासक औरंगजेब को युद्ध में पराजित किया था।
- उसने अजीतसिंह को मुगलों के चंगुल से मुक्त कराया।
- उसने मेवाड़ व मारवाड़ में सन्धि करवाई।
- 17वीं सदी में जसवंत सिंह के निधन के पश्चात् मारवाड़ में राठौड़ वंश को बनाये रखने का श्रेय जाता है।
- अजीतसिंह ने दुर्गादास को देश निकाला दे दिया
- दुर्गादास का निधन उज्जैन में हुआ
- उज्जैन क्षिप्रा नदी के तट पर उनकी छतरी (स्मारक) बनी हुई है।

Art and Culture

गवरी नृत्य आदिम संस्कृति का एक प्रमुख भाग

- राजस्थान में लोकनाट्यों की नियमित परम्परा का प्रचलन 18 वीं सदी के पूर्वार्द्ध में शुरू हो गया था।

Gradeup Rajasthan State Exams Green Card Subscription
(RAS, Rajasthan Police Constable, Rajasthan Patwari)
Get Unlimited Access to 25+ Mock Tests

- राजस्थान का सबसे प्राचीन लोकनाट्य इसे मेरु लोकनाट्य भी कहा जाता है
- मेवाड़ की गवरी नृत्य प्रसिद्ध हैं।
- यह पौराणिक तथा लोक जीवन से संबंधित होता हैं। इसका मुख्य आधार शिव तथा भस्मासुर की कथा पर आधारित है |
- जिसमें भस्मासुर का भगवान विष्णु द्वारा अन्त किये जाने के उपलक्ष में शिवजी द्वारा भीलों के साथ नृत्य किया गया था जो गवरी के रूप में प्रचलित हुआ |
- यह उदयपुर डूंगरपुर बांसवाड़ा जिलों के भी लो द्वारा प्रमुखतय किया जाता है
- अरावली क्षेत्रों में रहने वाले भीलों के द्वारा प्रतिवर्ष 140 दिनों का गवरी समारोह आयोजित किया जाता हैं।
- यह एक विशुद्ध धार्मिक लोक नाट्य हैं इसे केवल भील द्वारा ही किया जा सकता है अन्य नहीं
- इस लोकनाट्य में स्त्रियों की भूमिका पुरुष निभाते हैं तथा इसमें चार प्रकार के पात्र होते हैं देव दानव मानव व पशु यह लोकनाट्य दानव संस्कृति पर देव संस्कृति की विजय का प्रतीक है
- इसका महानायक एक वृद्ध व्यक्ति होता है उसे बुढ़िया कहते हैं
- झामट्या नामक पात्र लोक भाषा में कविता बोलता है खट्कड्या इसे दोहराता हैं और इस नाते का सूत्रधार खट्कड्या होता है
- गवरी के अन्य सभी पात्रों को खेला कहते हैं।
- इसमें प्रमुख वाद्य यंत्र मंजीरा, चीमटा, मादल और थाली।
- यह समारोह उदयपुर के आस-पास के क्षेत्रों में मानसून की समाप्ति के समय किया जाता हैं।

हर्षनाथ 1048 साल पहले सावन को स्थापित-

हर्षनाथ मन्दिर – रैवासा (सीकर)

- हर्षनाथ राजस्थान राज्य में सीकर जिले के निकट स्थित एक ऐतिहासिक मंदिर है।
- हर्षनाथ नामक ग्राम हर्षगिरि पहाड़ी की तलहटी में बसा हुआ
- निर्माण – गुवक ।
- हर्षनाथ की पूजा भैरव के रूप में की जाती है। शिव को समर्पित है।
- चाहमान शासकों के कुल देवता – शिव हर्षनाथ का यह मंदिर हर्षगिरी पर स्थित हैं
- मंदिर के भग्नावशेषों में अनेक सुंदर कलापूर्ण मूर्तियाँ तथा स्तंभ आदि प्राप्त हुए हैं, जिनमें से अधिकांश सीकर के संग्रहालय में सुरक्षित हैं।
- महामेरु शैली में निर्मित है

Miscellaneous

महिलाओं से संबंधित शिकायतों की निगरानी एवं निस्तारण के लिए राजस्थान सरकार ने तीन स्तरीय समिति का गठन किया

- समितियों के माध्यम से महिलाओं से जुड़े मामलों के निस्तारण के लिए सामाजिक न्याय व अधिकारिता, महिला अधिकारिता, पुलिस, श्रम, चिकित्सा और उद्योग से विभागों का समूह बनाया गया है।

Gradeup Rajasthan State Exams Green Card Subscription
(RAS, Rajasthan Police Constable, Rajasthan Patwari)
Get Unlimited Access to 25+ Mock Tests

- इसमें सखी और वन स्टॉप सेंटर्स के माध्यम से महिलाओं से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा।
- दूसरे स्तर पर महिला सुरक्षा व सलाह केंद्र, गरीमा गरीमा हेल्प लाइन है। यह समिति महिलाओं को जरूरत पड़ने पर सलाह देगी और गरीमा हेल्प लाइन के माध्यम से उन्हें राहत पहुंचाएगी।
- यह दोनों समितियां जिला स्तर पर गठित होंगी।

राज्यस्तरीय काल्विन शील्ड प्रतियोगिता 24 अगस्त से

- राजस्थान में राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) इस वर्ष अपने घरेलू क्रि केट सत्र की शुरुआत 24 अगस्त से राज्य स्तरीय सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता (कॉल्विन शील्ड) का आयोजन विभिन्न जिला क्रिकेट संघ केंद्रों पर आयोजित करेगा ।

राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए)

- राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की स्थापना 1931 में अजमेर में हुई थी
- इसे पहले राजपूताना क्रिकेट एसोसिएशन के नाम से भी जाना जाता था।
- इसने 1935-36 से रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में भाग लेना शुरू किया
- नवंबर 1956 में एसोसिएशन का मुख्यालय अजमेर से उदयपुर स्थानांतरित हो गया
- 1957 में एसोसिएशन का नाम बदलकर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन कर दिया गया
- मुख्यालय कार्यालय जयपुर में स्थानांतरित कर दिया गया।
- आरसीए के सचिव महेंद्र शर्मा

चंबल में 1 लाख क्यूसेक पानी से 25 साल का रिकॉर्ड टूटा

- चम्बल (चंबल) नदी :- चंबल नदी मध्य भारत यमुना की सहायक नदी है
- वेदों में नाम : चरमवाती
- उद्गम : मध्य प्रदेश के जानापाव पर्वत की बाचू प्वाइंट मऊ से निकलती है
- राजस्थान में प्रवेश :- चित्तौड़गढ़ की चोरासीगढ़ नामक स्थान से
- बहाव के जिले - करौली , धौलपुर , चित्तौड़गढ़ , कोटा , बूंदी , सवाई माधोपुर
- सहायक नदियां :- बनास नदी, क्षिप्रा नदी,मेज , बामनी, सीप काली सिंध, पार्वती, छोटी कालीसिंध, कुनो, ब्राह्मणी, परवन नदी ,बागेडी नदी, गंभीर नदी,खान नदी
- इत्यादि चम्बल की सहायक नदियाँ हैं।
- Note : राजस्थान व मध्यप्रदेश की सीमा बनाते हुए चलती है
- नदी का समापन: : मुरादगंज के पास यमुना में मिल जाती है

झालावाड़ जिले के मध्यम सिंचाई परियोजना चंवली बांध पर पानी की चादर चली

- चंवली बांध :-मध्यम सिंचाई परियोजना
- जिला :- झालावाड
- नदी :- चंवली (कालीसिंध नदी की सहायक नदी है)

कालीसिंध नदी :-

- उद्गम :- देवास मध्य प्रदेश के पास बागली गांव की पहाड़ियों से
- लंबाई : 278 किलोमीटर राजस्थान में 150 किलोमीटर

Gradeup Rajasthan State Exams Green Card Subscription
(RAS, Rajasthan Police Constable, Rajasthan Patwari)
Get Unlimited Access to 25+ Mock Tests

- सहायक नदियां : आहू परवन निवाज उजाड़ व चवली
- राजस्थान में बहाव क्षेत्र : झालावाड़ बांरा कोटा

gradeup

Gradeup Rajasthan State Exams Green Card Subscription
(RAS, Rajasthan Police Constable, Rajasthan Patwari)
Get Unlimited Access to 25+ Mock Tests